Mr. Sanjay Sharma

Assistant Professor

Department of Education

(UG and PG)

Subject -Education

Nehru Gram bharati

Deemed to be university.....

Scanned with CamScanner

BA. III rd year

Subject -Education

Paper II

Educational Measurement and Evaluation

Topic- Essay and Objective tpye Test

निबंधात्मक परीक्षण और वस्तुनिष्ठ परीक्षण

Scanned with CamScanner

परीक्षणों के प्रकार

(Types of Tests)

परीक्षणों की सहायता से छात्रों की विभिन्न योग्यताओं तथा गुणों का मापन किया जाता है। शैक्षिक संदर्भ में परीक्षणों के द्वारा ज्ञानात्मक व्यवहार के मापन को अधिक महत्व दिया जाता है। कक्षाध्यापक परीक्षणों का प्रयोग करके समय-समय पर छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मापन करता रहता है। शैक्षिक सत्र के अन्त में परीक्षाओं के द्वारा छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का मापन किया जाता है, जिसके आधार पर उन्हें कक्षा उन्नति दी जाती है। परीक्षण दो प्रकार के होते हैं-

1. **निबन्धात्मक परीक्षण** (Essay type Test)
2. **वस्तुनिष्ठ परीक्षण** (Objective type Test)

आगे इन दोनों प्रकार के परीक्षणों की विस्तृत चर्चा की गई है।

निबन्धात्मक परीक्षण

(Essay Type Test)

निबन्धात्मक परीक्षण प्राचीन काल से ही अत्यन्त प्रचलित हैं। इतिहास के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 2000 बी०सी० पूर्व भी चीन में निबन्धात्मक प्रश्नों का प्रचलन था। वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ होने तक ये लिखित परीक्षाएं लेने का एकमात्र ढंग था। इसलिए इस प्रकार के परीक्षणों को परम्परागत परीक्षण भी कहते हैं। निबन्धात्मक परीक्षण अत्यन्त सुविधाजनक होते हैं। प्रश्न निर्माता निबन्धात्मक प्रश्नों को अत्यन्त सरलता व शीघ्रता से तैयार कर लेते हैं। निबन्धात्मक प्रश्नों में छात्रों से एक विस्तृत (Explicit) उत्तर प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है तथा किसी मानक उत्तर से तुलना किये बिना ही परीक्षक छात्रों के द्वारा दिये गये उत्तरों का अंकन कर लेता है। निबन्धात्मक परीक्षण का अंकन करते समय परीक्षक के लिए यह अत्यन्त सरल होता है कि वह प्राप्तांकों के सामान्य स्तर (General Lavel) तथा वितरण की प्रकृति (Nature of Distribution) को नियंत्रित कर सके। किसी उत्तर पर परीक्षक कितने अंक देता है, यह काफी हद तक उसका व्यक्तिगत निर्णय होता है। निबन्धात्मक परीक्षण का कठिनाई स्तर कुछ भी क्यों न हो, परीक्षक अपने प्राप्तांकों को इस तरह से व्यवस्थित कर सकता है कि उसके द्वारा पूर्व निर्धारित प्रतिशत के छात्र न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त कर सकें।

निबन्धात्मक प्रश्नों के पक्ष में जो तर्क दिया जाता है, उनमें सबसे प्रमुख तर्क यह है कि निबन्धात्मक परीक्षण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का सर्वोत्तम ढंग से मापन करते हैं। छात्रों को पहले से तैयार उत्तर नहीं देना होता है, बल्कि उन्हें उत्तर देने के लिए अपने विषय का अच्छा ज्ञान व बोध होना चाहिए, जिससे वे विभिन्न तथ्यों तथा सिद्धांतों को एक दूसरे से सम्बन्धित कर सकें तथा इन विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करने में सफल हो सकें। इसके अतिरिक्त निबन्धात्मक परीक्षणों पर छात्रों के द्वारा दिये गये उत्तर उनकी विचार प्रक्रियाओं (Thought Process) की प्रकृति तथा गुणवत्ता का ज्ञान भी प्रदान करते हैं। आलोचनात्मक चिंतन, सृजनशीलता, अभिव्यक्ति क्षमता, ज्ञान का तार्किक संश्लेषण, मूल्यांकन क्षमता आदि अनेक योग्यताओं का मापन निबन्धात्मक परीक्षण के द्वारा ही किया जाना सम्भव है।

निबन्धात्मक प्रश्नों के प्रकार

(Types of Essay type Questions)

अपेक्षित उत्तर की प्रकृति के आधार पर निबन्धात्मक प्रश्न भी कई प्रकार के हो सकते हैं। यही कारण है कि निबन्धात्मक परीक्षण में अनेक प्रकार के प्रश्नों को सम्मिलित किया जा सकता है। कुछ प्रमुख प्रकार के निबन्धात्मक प्रश्न निम्नवत होते हैं –

वर्णनात्मक प्रश्न (Descriptive Questions) – इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों से किसी घटना, वस्तु,

Scanned with CamScanner

प्रक्रिया, सिद्धान्त, परिभाषा, सूत्र आदि का वर्णन करने के लिए कहा जाता है। ये सर्वाधिक सरल प्रकार के निबन्धात्मक प्रश्न होते हैं।

व्याख्यात्मक प्रश्न (Explanatory Questions) – इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रो को किसी सम्बन्ध या कारण व प्रभाव (Cause and Effect) की तार्किक व्याख्या करने के लिए कहा जाता है। छात्र तर्क देकर अपने पक्ष को स्पष्ट करते हैं।

विवेचनात्मक प्रश्न (Discussion Questions)- इस प्रकार के प्रश्नों में किसी स्थिति (Issue) के पक्ष तथा विपक्ष में तर्क देते हुए किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है। छात्र पक्ष या विपक्ष दोनों पर विचार प्रस्तुत करने के उपरान्त पक्ष या विपक्ष का समर्थन करते हैं।

उदाहरणार्थ प्रश्न (Illustrative Questions) – इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे उदाहरणों तथा दृष्टांतों की सहायता से अपनी बात को स्पष्ट करें।

तुलनात्मक प्रश्न (Comparative Questions)– इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को किन्हीं दो वस्तुओं, विचारों, सिद्धांतों आदि में समानता व असमानता तथा गुण व दोषों के आधार पर तुलना करनी होती है।

आलोचनात्मक प्रश्न (Critical Questions) – इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को किसी विचार या पक्ष की आलोचना करनी होती है, जिससे उसकी शुद्धता, पर्याप्तता, सत्यता, दृढ़ता आदि का मूल्यांकन हो सके।

विश्लेषणात्मक प्रश्न (Analytical Questions)– इस प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को किसी तथ्य के विभिन्न पक्षों को स्पष्ट करते हुए उनका वर्णन एवं परस्पर सम्बन्ध को स्पष्ट करना होता है।

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ परीक्षण

(Objective type Test)

वस्तुनिष्ठ परीक्षण का प्रयोग बीसवीं शताब्दी में आरम्भ हुआ, इसलिए इन्हें नवीन प्रकार की परीक्षा भी कहा जाता है। ये परीक्षण तकनीकी दृष्टि से निबन्धात्मक परीक्षण की अपेक्षा अधिक विश्वसनीय व वैध होते हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में प्रत्येक प्रश्न का एक निश्चित सही उत्तर होता है तथा परीक्षार्थी से उसी उत्तर की अपेक्षा की आती है, अतः किसी वस्तुनिष्ठ प्रश्न पर किसी छात्र द्वारा दिया गया उत्तर या तो सही होगा अथवा गलत होगा। सही होने पर छात्र को पूर्ण अंक प्राप्त होंगे जबकि गलत होने पर कोई अंक प्राप्त नहीं होगा। प्रश्नों के उत्तर की इस प्रवृत्ति की वजह से वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का अंकन करते समय परीक्षक को किसी प्रकार की स्वतंत्रता अथवा व्यक्तिगत निर्णय लेने की छूट नहीं होती है, चाहे कोई भी व्यक्ति अंकन करे किसी छात्र द्वारा प्राप्त अंक वही रहेंगे। प्रश्नों के उत्तर की प्रकृति के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनेक प्रकार के हो सकते हैं। वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का प्रशासन तथा अंकन कम समय में त्रुटिरहित ढंग से किया जा सकता है। कम्प्यूटरों के प्रयोग से वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का अंकन अत्यन्त शीघ्रता एवं पूर्ण यथार्थता से किया जाता है। परीक्षणों की विषयनिष्ठता से मुक्त होने के कारण कभी-कभी वस्तुनिष्ठ परीक्षणों को वरीयता दी जाती है।

वस्तुनिष्ठ परीक्षण के लाभ

(Advantages of Objective type Test)

जैसा कि चर्चा की जा चुकी है, वस्तुनिष्ठ परीक्षण एक नवीन प्रकार के परीक्षण हैं। शैक्षिक मापन व मूल्यांकन के क्षेत्र में इनका प्रयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लाभ निम्नवत हैं-

1. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में प्रश्नों की संख्या अधिक होती है, जिनके कारण इनमें सम्पूर्ण पाठ्यवस्तु तथा शिक्षण उद्देश्यों का उचित प्रतिनिधित्व सम्भव होता है।
2. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में प्रश्न स्पष्ट होते हैं, जिससे परीक्षार्थी को उत्तर देने में तथा परीक्षक को अंकन करने में सुगमता होती है।
3. वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का अंकन सरलता शीघ्रता तथा त्रुटि रहित ढंग से सम्भव होता है।
4. वस्तुनिष्ठ परीक्षण निबन्धात्मक परीक्षणों की तुलना में अधिक विश्वसनीय (Reliable) तथा वैध (Valid) होते हैं।
5. वस्तुनिष्ठ परीक्षण में सम्मिलित प्रश्नों की रचना भली-भाँति ढंग से करने पर इनकी सहायता से उच्च मानसिक योग्यताओं का मापन भी किया जा सकता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के प्रकार

(Types of Objective Type Items)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (Objective type Items) को दो मुख्य प्रकार (1) **आपूर्ति प्रश्न** (Supply Type Items) तथा (2) **चयन प्रश्न** (Selection type Items) में विभक्त किया जा सकता है। **बहुविकल्पात्मक प्रश्न** (Multiple-Choice Items), **सत्यासत्य प्रश्न** (True-False Items), **मिलान प्रश्न** (Matching Items) तथा **वर्गीकरण प्रश्न** (Classification Items) चयन प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Selection type Objective Items) हैं। इन सभी प्रकार के प्रश्नों में छात्रों को दिये गये उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करना होता है। प्रत्यास्मरण प्रश्न (Recall Items) तथा रिक्त स्थान पूर्ति प्रश्न (Completion Items)- आपूर्ति प्रकार के वस्तुनिष्ठ (Supply type Objective Items) हैं। इनमें छात्रों को अपनी स्मृति के आधार पर उत्तर देना होता है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के इन दोनों प्रकारों एवं इनके विभिन्न उपप्रकारों के प्रश्नों का वर्णन आगे प्रस्तुत किया गया है।

Scanned with CamScanner

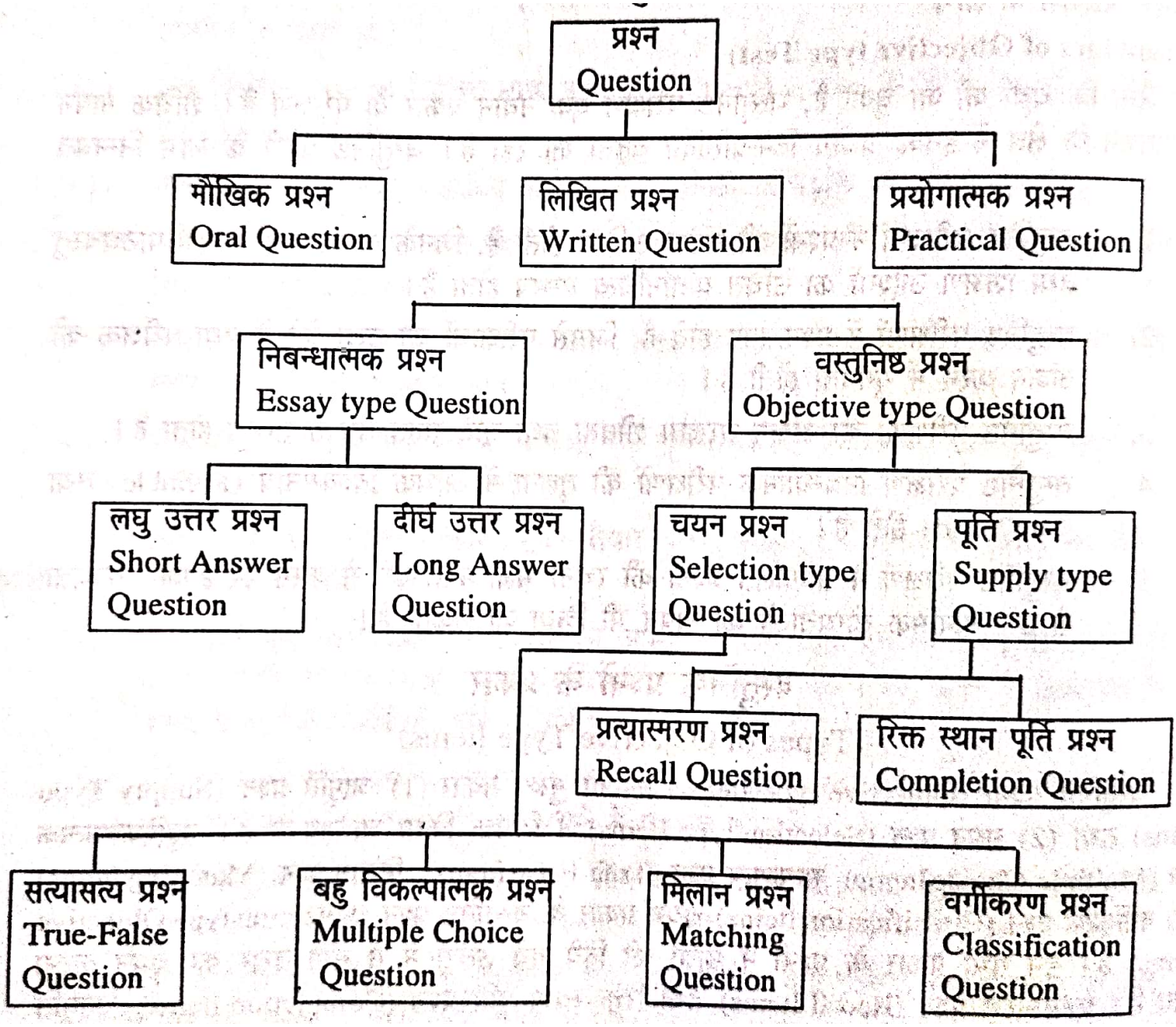

Scanned with CamScanner

निबन्धात्मक तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की तुलना

(Comparision of Essay type and Objective type Tests)

निबन्धात्मक परीक्षण तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षण में अनेक समानताएं व विभिन्नताएं पाई जाती हैं। इनकी प्रमुख समानताएं व विभिन्नताएं निम्नवत् हैं-

(1) लगभग सभी प्रकार की महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि का मापन करने के लिए निबन्धात्मक परीक्षण अथवा वस्तुनिष्ठ परीक्षण का उपयोग किया जा सकता है।

(2) छात्रों के ज्ञानार्जन को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों ही प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जा सकता है।

(3) दोनों ही प्रकार के परीक्षण में किसी न किसी प्रकार का विषयनिष्ठ निर्णय (Subjective Judgement) लेना होता है।

(4) निबन्धात्मक प्रश्नों में छात्रों को अपने उत्तर का प्रारूप स्वयं तैयार करना होता है तथा अपने शब्दों में अभिव्यक्ति करनी होती है जबकि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में छात्रों को अनेक दिये गये उत्तरों में से किसी उत्तर का चयन करना होता है अथवा किसी शब्द, अंक, संकेत, अथवा वाक्यांश के द्वारा अपने उत्तर को अभिव्यक्त करता है।

(5) निबन्धात्मक परीक्षण में सामान्य एवं संख्या में कम प्रश्न होते हैं जिनके विस्तृत उत्तर की अपेक्षा की जाती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण में विशिष्ट प्रकृति के तथा संख्या में अधिक प्रश्न होते हैं, जिनके संक्षिप्त उत्तर की अपेक्षा की जाती है।

(6) निबन्धात्मक परीक्षण देते समय छात्र अपना अधिकांश समय सोचने, समझने एवं लिखने में ही लगाते हैं जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण देते समय छात्र अपना अधिकांश समय पढ़ने तथा सोचने में लगाते हैं।

(7) निबन्धात्मक परीक्षण से प्राप्त परिणामों की गुणवत्ता काफी सीमा तक परीक्षक की योग्यता के ऊपर निर्भर करती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण से प्राप्त परिणामों की गुणवत्ता काफी सीमा तक परीक्षक और निर्माता की योग्यता पर निर्भर करती है।

Scanned with CamScanner

निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन

बिन्दु Point	निबन्धात्मक परीक्षण Essay type Test	वस्तुनिष्ठ परीक्षण Objective type Test
1. रचना	इनकी रचना सरल होती है तथा इनकी रचना में कम समय लगता है।	इनकी रचना कठिन होती है तथा इनकी रचना में अधिक समय, धन व शक्ति की आवश्यकता होती है।
2. अंकन	इनका अंकन कठिन होता है। विषय का ज्ञाता ही अंकन कार्य कर सकता है। इनका आदर्श उत्तर लगभग असंभव होता है।	इनका अंकन सरल होता है। कोई भी व्यक्ति अंकन कार्य कर सकता है। इनका निश्चित उत्तर होता है।
3. प्रश्न के प्रकार	इनमें सामान्य प्रकृति के प्रश्न होते हैं।	इनमें सम्मिलित प्रश्नों की प्रकृति विशिष्ट होती है।
4. प्रश्नों की संख्या	इनमें कम संख्या में प्रश्न होते हैं।	इनमें प्रश्नों की संख्या अधिक होती है।
5. प्रशासन	इनका प्रशासन सरल होता है। सामान्यतः विशिष्ट निर्देशों की आवश्यकता नहीं होती।	इनके प्रशासन में विशिष्ट निर्देशों की आवश्यकता होती है। इसलिए इनका प्रशासन कठिन होता है।
6. भाषा तथा सुलेख	इनमें भाषा तथा सुलेख का महत्वपूर्ण स्थान होता है।	इनमें भाषा व सुलेख का कोई महत्व नहीं होता है।
7. अनुमान का प्रभाव	इनमें अनुमान से उत्तर नहीं लिखा जा सकता, परन्तु धोखा दिया जा सकता है।	इनमें अनुमान से प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं।
8. वस्तुनिष्ठता	ये कम वस्तुनिष्ठ परीक्षण होते हैं, जिससे मापन की व्यक्तिगत त्रुटि (Personal Errors) अधिक होती है।	ये वस्तुनिष्ठ परीक्षण होते है। इनमें मापन की व्यक्तिगत त्रुटियां नहीं होती हैं।
9. विश्वस-नीयता	ये कम विश्वसनीय होते हैं। इनमें मापन की चर त्रुटियां (Variable Errors) अधिक होती है।	ये अधिक विश्वसनीय होते हैं। इनमें मापन की चर त्रुटियां कम होती हैं।
10. वैधता	यह अपेक्षाकृत कम वैध होते हैं। इनमें प्रायः मापन की स्थिर त्रुटियां (Constant Errors) अधिक होती है।	यह अधिक वैध होते हैं। इनमें मापन की स्थिर त्रुटियां प्रायः कम होती हैं।
	मानक तैयार करना कठिन होता है । इसलिए इनमें व्याख्यात्मक त्रु टियां (Interpretive Errors) अधिक होती हैं।	इनमें मानक तैयार करना सरल होता है जिससे इनमें व्याख्यात्मक त्रुटियां कम होती हैं।

Scanned with CamScanner

(8) निबन्धात्मक परीक्षण तैयार करने में सरल परन्तु अंकन करने में कठिन व जटिल होते हैं। इसके विपरीत वस्तुनिष्ठ परीक्षण को तैयार करना कठिन व जटिल कार्य है, जबकि उनका अंकन अपेक्षाकृत सरल होता है।

(9) निबन्धात्मक परीक्षण में प्रश्नपत्र निर्माता को प्रश्न बनाने, छात्रों को उत्तर लिखने तथा परीक्षक को अंक देने में पर्याप्त स्वतंत्रता रहती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण में परीक्षण निर्माता को प्रश्नों की रचना करने में पर्याप्त छूट रहती है, परन्तु छात्रों को उत्तर देने में तथा परीक्षक को अंकन करने में कोई छूट नहीं रहती है।

(10) निबन्धात्मक परीक्षण में धोखा-धड़ी (Bluffing) की सम्भावना रहती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में अनुमान लगाने (Guessing) की सम्भावना रहती है।

(11) निबन्धात्मक परीक्षणों पर प्राप्त प्राप्तांकों का विवरण काफी सीमा तक परीक्षक के द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है परन्तु वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के प्राप्तांकों के विवरण पर परीक्षक का कोई नियंत्रण नहीं होता।

अवबोध में सुगमता के लिए निबन्धात्मक तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के गुण व दोषों का तुलनात्मक वर्णन सारणी 16 में प्रस्तुत किया गया है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner